Annexure – I

भंडार के संबंध में

ᴓ प्रस्तावना:

- भंडार विभाग सामग्री योजना, भंडार के ई-प्रापन, उत्पादन और रख-रखाव के लिए सामग्रियों का निर्वाध रूप से उपलब्धता, मालों का आयात, आयातित भंडार को पोर्ट से क्लियर करना, इंवेंटरी नियंत्रण गतिविधियाँ और ई-निलीमा द्वारा रद्दी मालों का निपटारा सहित सामग्रियों के समन्वित व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार है।

- रेपका में, भंडार विभाग निम्नलिखित गतिविधियों की भी देख-रेख करता है :

- पहिया निर्माण के लिए रद्दी डब्ल्यू टी ए और पटरियों की कटिंग/प्रसंस्करण तथा मेल्ट शाप को भरण किया जाता है।
- वैगनों तथा ट्रेलर और ट्रकों से पूर्ण उत्पाद का प्रेषण।

ᴓ संगठन:

रेपका में भंडार विभाग में निम्मानुसार 3 यूनिट हैं :

- **मुख्यालय :**

(भंडार विभाग के मुख्यालय का फोटो)

- परिचय :

राजपत्रित संवर्ग में भंडार नियंत्रक, मुख्य सामग्री प्रबंधक, 3उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक और

सहायक सामग्री प्रबंधक मिलकर सामग्री प्रबंधन प्रभाग के सामान्य प्रशासन और प्रापण कार्यों को संभालते हैं । मुख्यालय में 58 अराजपत्रित कर्मचारी कार्य कर रहे हैं । रेपका का क्रय कार्यालय पूरी तरह कम्प्यूटरीकृत है, लैन प्रणाली प्रदान की गई है और आधुनिक फर्नीचर और कम्प्यूटर से लगाए गए हैं तथा प्रभावी और कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए प्रत्येक क्रय सेक्शन में रेलनेट कनेक्शन दिया गया है । अभिलेखों के सही भंडारण के लिए कम्पैक्टर स्थापित किए गए हैं । कम्पैक्टर का एक दृश्य नीचे दिया गया है -

प्रापण :

- भंडार मुख्यालय सभी प्रापण कार्य आईआरईपीएस पर ई-निविदा, भूमंडलीय निविदा और रिवर्ज़ ऑक्शन के माध्यम से करता है ।
- सभी स्टॉक मदों का प्रापण कार्य प्रत्येक स्टॉक मद के प्रत्येक प्रमुख ग्रूप वर्गीकरण के लिए निर्धारित माह के दौरान क्रय अनुभाग-I द्वारा किया जाता है ।
- एम एंड पी, एम एंड पी के लिए गैर-स्टॉक पुर्जे, टीएंडपी मदें, औषधियाँ सहित सभी गैर स्टॉक मदों का प्रापण कार्य क्रय अनुभाग-2 द्वारा किया जाता है ।
- सभी आयातित स्टॉक मदों तथा गैर-स्टॉक मदों का प्रापण कार्य क्रय अनुभाग-3 करता है ।
- विभिन्न रेलों से रेपका में लाए जाने वाले रद्दी माल और विभिन्न रेलों को भेजी जाने वाली डब्ल्यू टीए मदों के संचलन संबंधी ठेका का कार्य मुख्यालय में स्थापित संकर्म कक्ष द्वारा किया जाता है ।

- **<u>कागज़ रहित कार्य :</u>**
- रेपका पहला रेलवे है जो निविदा को अंतिम रूप देने के लिए कागज़ रहित कार्य पद्धति को लागू किया है ।
- निविदा को अंतिम रूप देने के लिए रेपका में 100% कागज़ रहित कार्य पद्धति को सफलता पूर्वक लागू कर दिया गया है और पालन किया जा रहा है ।

सूचना प्रौधोगिकी से लाभ :

आई आर ई पी एस पोर्टल द्वारा ई-प्रापण

- स्टाक तथा गैर-स्टाक मदों का सभी प्रापण
- आई एम एम आई एस द्वारा स्थानीय क्रय

- ⓾ औषधियों का प्रापण
- ⓾ कार्य संविदा को पूरा करना

O सामान्य भंडार विभाग :

परिचय :

सामान्य भंडार विभाग कारखाना परिसर के अंदर स्थित है और उप मुख्य सामग्री प्रबंधक /डिपो इसके प्रमुख हैं तथा वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक और सहायक सामग्री प्रबंधक उनकी सहायता करते हैं। सामान्य भंडार डिपो में 286 अराजपत्रित कर्मचारी कार्यरत हैं। सामग्री योजना, इंडेंट देना, स्टाक का संरक्षण, भंडार का जारी करना और रद्दी का निपटारा करना इस डिपो का कार्य है । पहिया निर्माण के लिए स्टील रद्दी के आक्सी कटिंग का गतिविधियों की देख-रेख भी कर रही है . डिपो में रद्दी प्रोसेसिंग का वार्षिक टनेज 1,00,000 मिट्रिक टन है । 133 कर्मचारी, जो पूरे भंडार विभाग के पूरे कर्मचारियों का 39 प्रतिशत है वे रद्दी प्रोसेसिंग गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं । डिपो पहिया सेटों की पेंटिंग, पैकिंग तथा वैगन, ट्रक/ट्रेलर्स से लूज पहिए एवं धूरा प्रेषण करने का कार्य भी करती है । मुख्यालय द्वारा निस्कर्षित रद्दी के प्रापण और निर्मित माल के लिए डिपो सड़क परिवहन के संविदा प्रबंधन का कार्य भी करती है । डिपो भंडार में3181 मद हैं, जिनमें 22 श्रेणी ' क ' , 64 श्रेणी 'ख' और 3095 श्रेणी 'ग' के मद हैं ।

❾ डिपो का आधुनिकीकरण :-

रेपका के सामान्य भंडार डिपो अत्याधुनिक स्वचालित भंडारण एवं पुन: प्राप्ति प्रणाली (एएसआरएस) से सुसज्जित है । इस एएसआरएस में 4 स्तम्भ, 8 कतार एव 1344 पेलेट उपलब्ध है । इस प्रणाली में दो प्लेटफार्म सामान लादने और दो प्लेटफार्म सामान उतारने के लिए उपलब्ध है । इससे रैकों से चरणबद्ध तरीके से सामग्री निकालने में सहायता और खड़ी जगह की अनुकूलतम उपयोग हो पाया है । इसके कुछ फोटो नीचे दिए गए हैं :

(Photo of ASRS at Depot)

O शिपिंग कक्ष

शिपिंग कक्ष विमानवाहित और समुद्र द्वारा आयातित माल की निकासी का कार्य देखता है ।

मील का पत्थर

1	आईएमएमआईएस द्वारा ई-भुगतान प्लेटफार्म का स्थानीय क्रय (एल पी) तक विस्तार	मार्च 2015
2	औषधियों का ई-प्रापण	अप्रैल 2015
3	सीधी स्वीकृति मामले और निविदा समिति मामलों के लिए निविदा को अंतिम रूप देने का कार्य करना।	04/01/15
4	ई-वाणिज्य वेबसाईट से ई-स्थानीय क्रय का कार्यान्वयन	फरवरी 2016
5	आईआरईपीएस पर भंडार विभाग के संकर्म निविदाओं का कार्यान्वयन	06/09/16